अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

24 अकबर रोड नई दिल्ली–110011

मीडिया विभाग

पत्रकार वार्ता के मुख्य बिन्दु   सोमवार 24 अक्टूबर, 2011 सायं–4.15

श्री राशिद अलवी ने पत्रकारों को संबोधित किया ।

श्री राशिद अलवी ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी को मेरी ओर से एवं कांग्रेस पार्टी की ओर से दीपावली की बहुत–बहुत शुकामनाएं और कांग्रेस पार्टी की ओर से समस्त देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं।

श्री राशिद अलवी ने पुनः कहा कि जब भी किसी उद्‌देश्य के लिए कोई लड़ाई लड़ी जाती है, उस लड़ाई में वो लोग जो पहली पंक्ति में खड़े होकर लड़ाई लड़ते हैं, उस आन्दोलन को आगे बढ़ाते हैं, उस आन्दोलन की अगुवाई करते हैं, वो आन्दोलन तब तक नहीं होता जब तक उस आन्दोलन का नेतृत्व जिस उद्‌देश्य के लिए लड़ाई लड़ रहा है, उस उद्‌देश्य में साफ़ सुथरा ना हो। अगर कभी कोई ऐसा आन्दोलन कामयाब हो भी जाता है और नेतृत्व पर आरोप लगने लगते हैं तो लोगों का विश्वास उस आन्दोलन से टूट जाता है।

श्री राशिद अलवी ने कहा कि आडवाणी जी की रथ–यात्रा का कभी पता चलता है कि बेंगलुरू के अन्दर जाएगी। आडवाणी जी ने कहा कि मैंने येदियुरप्पा जी को कहा था और सावधानी बरतने की नसीहत दी थी। इसका मतलब यह हुआ कि आडवाणी जी को मालूम था कि येदियुरप्पा जी क्या कर रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ आडवाणी जी भ्रष्टाचार के विरूद्ध रथ–यात्रा निकाल रहे हैं और दूसरी तरफ वे कह रहे हैं कि उन्होंने येदियुरप्पा को सावधान रहने की सलाह दी थी, क्या मतलब है इसका। कोई कार्रवाई क्यों नहीं की, किस तरह की सावधानी बरतने की येदियुरप्पा को नसीहत दी गयी थी, किस प्रकार की लड़ाई है यह भ्रष्टाचार के विरूद्ध। कभी पार्टी कहती है कि वो बेंगलुरू जाएंगे और कभी पार्टी कहती है कि बेंगलुरू नहीं जाएंगे। श्री राशिद अलवी ने इस विषय में कहा कि ''इरादे बांधता हूं, सोचता हूं, तोड़ देता हूँ कहीं ऐसा न हो जाए, कहीं वैसा न हो जाए'' तय नहीं कर पा रहे, कोई निर्णय नहीं ले पा रहे, ऐसी भ्रष्टाचार की लड़ाई हमने पहले कभी नहीं देखी है।

श्री राशिद अलवी ने कहा कि हाईकोर्ट ने नोएडा के किसानों के लिए फैसला दिया है। किसानों की समस्याओं का समाधान हुआ है, उनको अधिक मुआवजा देने की बात कही गई है। वहीं पर हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना भी की है उन महिलाओं को लेकर, जिन महिलाओं ने पीएसी के खिलाफ बलात्कार के आरोप लगाए थे। उच्च न्यायालय ने कहा है कि इनके खिलाफ एफआईआर होनी चाहिए। न्यायालय ने ताज्जुब होने का भी इजहार किया है कि उत्तर प्रदेश की सरकार के प्रति क्यों नहीं अभी तक उनकी एफआईआर रजिस्टर हुई। यह वही लड़ाई है जो कांग्रेस पार्टी लड़ती चली आ रही है। यह वही लड़ाई है जो श्री राहुल गांधी जी ने भट्टा–पारसोल के अन्दर लड़ी थी और तब श्री राहुल गांधी जी ने कहा था कि महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार हुआ है, उनके साथ ज्यादती हुई है, तब बहुत सारे राजनीतिक दलों के माथे पर बल पड़ गए थे। लेकिन आज उच्च न्यायालय ने श्री राहुल गांधी जी के उस बयान को न्यायसंगत ठहराया है।

मुसलमान संगठनों के नेतृत्व का श्री राहुल गांधी जी से मिलने पर कांग्रेस पार्टी की प्रतिक्रिया पूछे जाने पर श्री राशिद अलवी ने कहा कि इसकी मुझे जानकारी नहीं है। श्री राहुल गांधी जी और श्रीमती सोनिया गांधी जी तमाम लोगों से मिलते हैं। कोई भी व्यक्ति उनसे व्यक्तिगत रूप से भी मिल सकता है और डेलीगेशन भी उनसे मिलते हैं इसमें कोई विवाद की बात नहीं है।

अमर सिंह को जमानत मिलने पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि कानून ने अपना काम किया है और अदालत ने उनको जमानत दी है, कानून अपना काम हमेशा करता है। इसमें कांग्रेस पार्टी के खुश अथवा नाखुश होने का कोई प्रश्न नहीं उठता।

एक अन्य प्रश्न पूछे जाने पर कि बावजूद इसके कि श्री करूणानिधि कांग्रेस अध्यक्ष से भी मिले हैं परन्तु सुश्री कानिमोझी को जमानत नहीं मिली क्या इससे गठबंधन के रिश्तों पर असर पड़ेगा, श्री राशिद अलवी ने कहा कि यह तो अदालत का निर्णय है कि इसकी सुनवाई दूसरी तिथि तक स्थगित कर दी गई है, इस पर मैं कोई भी टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं।

आगामी यूपी के विधानसभा चुनावों को लेकर श्री अजित सिंह की पार्टी के साथ गठजोड़ पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि उनसे बातचीत जरूर चल रही है और उसमें क्या हुआ है इसकी जानकारी तो यूपी के प्रभारी

महासचिव ही दे पाएंगे। जब किसी नतीजे पर बात पहुंचेगी तो आप लोगों को अवश्य बताया जाएगा। राजनीति में जब तक किसी नतीजे पर न पहुंचें, तब तक आखिरी बात नहीं कही जा सकती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार बिहार में विकास हुआ है पर अभी भी अधिक लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं और दोनों समय का खाना मुहैया नहीं होता, श्री राशिद अलवी ने कहा कि विकास को नापने की कोई ऐसी तराजू नहीं है जिससे पता चल पाए कि कितना विकास हुआ है। परन्तु जो गरीबी रेखा से नीचे लोग हैं, कांग्रेस पार्टी हमेशा इस कोशिश में रही है कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए और उनको आगे बढ़ाया जाए। इसीलिए सरकार खाद्य सुरक्षा अधिनियम ला रही है और जल्द से जल्द पास करना चाहती है और पूरे देश के गरीबों के लिए कांग्रेस पार्टी न केवल सहानुभूति रखती है बल्कि उनको आगे लाना चाहती है। श्री राशिद अलवी ने पुनः कहा कि बिहार सरकार के विषय में मैं इतना कह सकता हूं कि वहां पर जो कुछ भी हो रहा है, अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

एक और प्रश्न पूछे जाने पर कि आरटीआई से पता चला है कि श्री राहुल गांधी जी ने प्रधानमंत्री जी को एक पत्र लिखा है कि न केवल मंत्री बल्कि उनके निकट संबंधियों की संपत्ति का भी खुलासा होना चाहिए, श्री राशिद अलवी ने कहा कि मुझे इसकी जानकारी नहीं है परन्तु इतना कह सकता हूं कि तमाम मंत्रियों को अपनी ही नहीं अथवा अपने आश्रितों की संपत्ति के ब्यौरे का खुलासा करना चाहिए।

कांग्रेस पार्टी का अल्पसंख्यकों के आरक्षण पर रूख स्पष्ट किए जाने पर पूछे गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि अल्पसंख्यकों की समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस पार्टी प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार इस कार्य में प्रयत्नशील है यह बहुत ही संवेदनशील मामला है और जैसे ही इस पर कोई विचार लिया जाता है तो आप सभी को अवश्य अवगत कराया जाएगा। इस मुद्दे पर देश भर में चर्चा हो रही है। कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में भी इसके लिए कहा है और हम उसके प्रति वचनबद्ध हैं।

आडवाणी जी के इस वक्तव्य पर कि कांग्रेस पार्टी में नम्बर दो स्थान पर कौन है श्री पी. चिदंबरम या श्री प्रणब मुखर्जी, इस विषय में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि आडवाणी जी के वक्तव्य का कोई मतलब नहीं है और मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। उनको पहले अपना द्वार देखना चाहिए कि वहां पर कितने उम्मीदवार प्रधानमंत्री के लिए हैं। ऐसे समय में जबकि उनकी पार्टी की

सत्ता में आने की दूर–दूर तक कोई सूरत नजर नहीं आती है। इसके बावजूद अगर उनके बीच में प्रधानमंत्री के पद को लेकर एक दूसरे से लड़ाई है तो हमारे यहां कौन नम्बर दो पर है या नहीं है, यह बहुत अहमियत नहीं रखता है।

श्री संजय निरूपम के अरविंद केजरीवाल पर दिए गए एक वक्तव्य पर कि अगर उसकी यही हालत रही तो केजरीवाल को जूते–चप्पल भी पड़ सकते हैं, इस विषय में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत बयान हो सकता है, कांग्रेस पार्टी का नहीं। कांग्रेस पार्टी पूर्ण रूप से अहिंसा में विश्वास रखती है, किसी को इस बात की इजाजत नहीं दी जा सकती कि कानून अपने हाथ में ले।

सच्चर कमेटी की सिफारिशों को लागू किए जाने पर पूछे गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि उस समिति की काफी सिफारिशें क्रियान्वित हुई हैं। बल्कि यह भी बताया गया है कि जिन जिलों में मुसलमानों की संख्या ज्यादा है, वहां पर विकास का काम तेजी से हुआ है। लगभग 25–30 लाख मुस्लिम बच्चों को वजीफा दिया गया है। सच्चर समिति की सिफारिशों के प्रति सरकार प्रतिबद्ध है अगर कुछ कमी रह गई है तो उसको पूरा किया जाएगा।

आरटीआई की प्रधानमंत्री जी की समीक्षा को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि आरटीआई के बारे में हम पहले भी कह चुके हैं कि कोई भी कानून बनता है, उस कानून में हमेशा कुछ न कुछ गुंजाइश रह जाती है। अगर आरटीआई पर बहस होती है कि क्या इसमें किसी सुधार की गुंजाइश है तो इसको सकारात्मक रूप में लेना चाहिए न कि नकारात्मक रूप में। अगर आरटीआई को और मजबूत करना है और अगर कोई संशोधन हो सकता है तो इस पर चर्चा होनी चाहिए क्योंकि हमारे संविधान में अभी तक 108–109 संशोधन किए जा चुके हैं। आरटीआई पारदर्शिता का एक तरीका है और इसका समर्थन करते हैं।

(टॉम वडक्कन)
मीडिया सचिव